**Seventeenth Loksabha**

an>

Title: Need to provide electricity at domestic rate to persons who are funning their business from home.

**श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली)** : अध्यक्ष जी, आपने मुझे एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय के ऊपर बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं ।

अध्यक्ष जी, दिल्ली के अंदर कुछ लोग जो दूसरे राज्यों से आए हुए हैं, वे कोरोना के कारण रोज़गार का काम अपने घरों में ही करते हैं । वे टेलरिंग, कॉज बटन, बुक बाइंडिंग, रफू और प्रेस जैसे छोटे-छोटे काम करते हैं । दिल्ली मास्टर प्लान के अनुसार एक घर में 9 व्यक्ति रहकर कोई काम कर सकते हैं । अगर गरीब लोग किराए के मकानों में रहकर अपना काम करते हैं, तो केजरीवाल सरकार उनसे बिजली का बिल कॉमर्शियल रेट यानी 8 रुपये से ज्यादा प्रति यूनिट के हिसाब से ले रही है । जबकि वे अपने घरों में छोटे-छोटे काम, जैसे रफू व बटन लगाने का काम करते हैं । ऊपर से उनके बिजली के बिल में डबल हॉर्स पॉवर अधिक चार्जेस लिए जा रहे हैं ।

एक तरफ दिल्ली के मुख्यमंत्री लोगों को यह .... * दे रहे हैं कि मैं लोगों को फ्री बिजली दे रहा हूं । दूसरी तरफ वे दूसरे हाथ से उन गरीब लोगों के रोज़गार को छीन रहे हैं, जिससे उन लोगों की जितनी आमदनी नहीं होती है, उतना उनका बिजली का बिल 5,000 या 7,000 रुपये का बन जाता है । मेरा आपके माध्यम से यह निवेदन है कि दिल्ली सरकार इसमें चेते और उन लोगों को डोमेस्टिक रेट के हिसाब से बिजली दे, ताकि गरीब-नौजवान लोग अपने रोज़गार का काम घरों में कर सकें ।